RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 40 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 11 मार्च 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

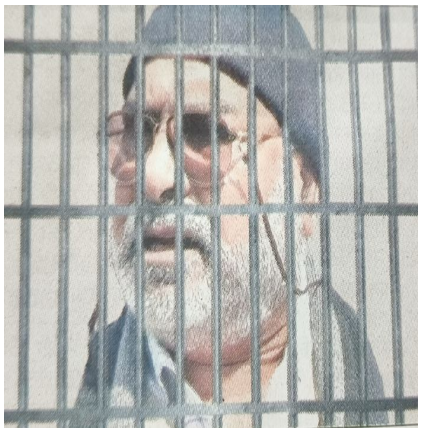

मूल निवास और भू-कानून पर बढ़ती मुखरता

जगमोहन रौतेला

मूल निवास लागू करने और उत्तराखण्ड का अपना भू-कानून बनाए जाने की मांग को लेकर राज्य भर में प्रदर्शनों का दौर जारी है। गत 28 जनवरी को हल्द्वानी में विशाल प्रदर्शन के बाद टिहरी, कोटद्वार और अल्मोड़ा जिले के स्याल्दे में भू-कानून को लेकर रैली निकली। गत 11 फरवरी को मूल निवास, भू कानून समन्वय संघर्ष समिति के आह्वान पर नई टिहरी जिला मुख्यालय में विभिन्न संगठनों, राजनीतिक दलों व लोगों ने मूल निवास स्वाभिमान रैली निकाली रैली। जिसमें वक्ताओं ने सरकार को चेताया कि उत्तराखण्डियत की पहचान से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। चाहे इसके लिए उत्तराखण्ड आन्दोलन की तर्ज पर एक बार फिर से लोगों को सड़कों पर ही क्यों ना उतरना पड़े। समन्वय संघर्ष समिति के संयोजक मोहित डिमरी ने कहा कि स्थाई निवास उत्तराखण्डियों के साथ साजिश है। हमारी पहचान से लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है। लचर भू-कानून के चलते प्रदेश में भू माफिया हावी हो रहा है।

संघर्ष समिति के सह संयोजक लुसन टोडरिया ने कहा कि प्रदेश के हित में उत्तराखण्ड का अपना भू-कानून बनाया जाए। जिसके न होने से आज प्रदेश के दूरस्थ हिमालयी क्षेत्र तक में भू माफिया पहुँच चुका है। प्रदेश की पहचान बचानी है तो लोगों को बड़े आन्दोलन के लिए तैयार रहना होगा। प्रताप नगर के विधायक विक्रम लसह नेगी ने स्वाभिमान रैली को अपना समर्थन देते हुए कहा कि प्रदेश में सशक्त भू-कानून और मूल निवास लागू होना चाहिए। जिसके लिए वे समन्वय संघर्ष समिति को अपना समर्थन देते हैं। इस मौके पर रीजनल उत्तराखण्ड पार्टी के शिवप्रसाद सेमवाल, यूकेडी के विशन लसह भण्डारी, बालगंगा वरिष्ठ नागरिक समिति के चन्द्र सिंह पोखरियाल, विजय गुनसोला, शान्ति प्रसाद भट्ट, ब्लाक प्रमुख प्रतापनगर प्रदीप चन्द रमोला, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष आशा रावत, सत्यमेव जयते संगठन के मोहन लसह रावत, प्रवीण भण्डारी, उर्मिला

शेष अन्तिम पृष्ठ पर

मलिक का हव्वा खत्म, चर्चा शुरू

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में जिस उपद्रव के लिये अब्दुल मलिक को मुख्य आरोपी बनाया गया है, क्षेत्र में उसका हव्वा तो नहीं है लेकिन चर्चा चारों ओर है। इससे पहले तक अब्दुल मलिक का नाम बड़े आदमियों में गिनते हुए उसे सलाम ठोकने वाले बहुत थे लेकिन पुलिस के रडार में आने के बाद जिस प्रकार से जाँच पड़ताल और निगरानी है बनभूलपुरा के लोगों में पुराना अध्याय समाप्त हो चुका है। सबको यह पता हो गया है कि यदि शासन प्रशासन कार्रवाई में उतर आया तो पूरी तरह खंगाल लिया जाता है। जिस अब्दुल मलिक के इशारे पर भीड़ जुट जाती थी और उसके खिलाफ कोई बोल नहीं सकता है, इस समय उनके पक्ष में बोलने की किसी को हिम्मत नहीं है क्योंकि जिस तरह जाँच में पर्दे खुलते जा रहे हैं हर कोई बच रहा है।

लाइन नम्बर आठ निवासी अब्दुल मलिक को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर नैनीताल जेल में रखा गया। 8 फरवरी को बनभूल पुरा में उपद्रव के लिये पकड़े गये आरोपियों को गिरफ्तार कर उप कारागार हल्द्वानी में रखा गया। कोर्ट में पेशी के बाद मलिक को भी यहीं रखने की उम्मीद थी लेकिन उसे जिला जेल नैनीताल में दाखिल किया। बैरक नम्बर एक में उसे रखा गया जिसे सबसे बड़ी और मजबूत बैरक माना जाता है।

पुलिस को 16 दिन तक छकाने के बाद मलिक की पकड़ हो पाई थी। इसके बाद पुलिस ने मलिक की पत्नी साफिया और पुत्र मोईद भी पुलिस को छकाती रही। इनकी पकड़ के लिये पुलिस कई राज्यों में दबिस देती रही। 29 फरवरी को अब्दुल मोईद को दिल्ली एनसीआर से गिरफ्तार किया। मोईद को भी नैनीताल जेल में ही रखा गया है, जहाँ उसके पिता हैं। एक जेल में होते हुए भी दोनों के मिलने पर पाबन्दी है। पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थलों के आसपास साक्ष्यों के आधार पर अब तक 83 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध हथियार व कारतूस बदामद किए हैं। इसके साथ ही उपद्रव के दौरान पत्थरबाजी कर रही महिलाओं को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस कहा कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में महिलाएं हिंसा में शामिल दिख रही थी। गिरफ्तार महिलाओं के के ऊपर हत्या का प्रयास करने जैसे गम्भीर आरोप भी लगाए गए हैं। इनमें शहराज पत्नी स्व.जमील अहमद, सोनी पत्नी नाजिम मिकरानी, शमशीर पुत्री स्व. मजील अहमद, सलमा पुत्री नफीस अहमद, रेशमा पत्नी मो.यामीन है, इन्हें दंगे के समय पथराव और आगजनी में शामिल होने का मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार किया गया। अभी अन्य की तलाश जारी है। महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद जनवादी संगठनों ने बनभूलपुरा काण्ड में आरोपी महिलाओं की गिरफ्तारी का विरोध किया। प्रशासनिक अधिकारियों को भेजे ज्ञापन में इन्हें छोड़ने की मांग की गई।

पुलिस के हाथ लगे मलिक को चार दिन की रिमाण्ड पर लेकर पूछताछ में अहम सुराग हाथ लगे हैं। कहा जा रहा है कि मलिक तरह-तरह की कहानियां भी गढ़ता रहा लेकिन कुछ कुछ अहम सुराग हाथ लगे। पूछताछ में मलिक ने कहा- 'मैंने कई जगह मदरसे बनाए हैं। हल्द्वानी में कई जगह स्टाम्प में जमीन बेची जा रही है तो फिर उस पर ही कार्रवाई क्यों की गई।' पुलिस को मालूम है कि मलिक आसानी से सवालों का जबाव नहीं देगा इसलिये मलिक के मोबाइल की तलाश और उससे हुए हर काल को वेरीफाइ करने करने की तैयारी भी है ताकि और कुछ भी पता

शेष पृष्ठ 2 पर

जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति का गठन

पि.हि. प्रतिनिधि

बागेश्वर। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति भोटिया पड़ाव, वनखोला में समिति के मुख्य संरक्षक गंगा सिंह पांगती की देखरेख में गठन किया गया और निर्णय लिया कि अपनी संस्कृति के लिये निरन्तर कार्य करते हुए जनचेतना कार्यक्रम चलाया जाएगा।

समिति की बैठक में पदाधिकारी इस प्रकार से हैं- मुख्य संरक्षक गंगा सिंह पांगती, अध्यक्ष श्रीमती पूजा जंगपांगी, उपाध्यक्ष दया रावत, सचिव गणेश सिंह पंचपाल, उपसचिव कवीन्द्र सिंह मर्तोलिया, कोषाध्यक्ष कैलाश सिंह रावत, सांस्कृतिक सचिव श्रीमती द्रोपदी रावत, ऑडिटर भगवान सिंह मर्तोलिया, सलाहकार श्रीराम सिंह राणा, यतेन्द्र सिंह पांगती, सदस्य- शेर सिंह रावत, श्रीमती राधा मर्तोलिया, श्रीमती सीता रावत, श्रीमती लीला रावत, इन्द्र सिंह रावत, श्रीमती कलावती रावत, कवीन्द्र सिंह मर्तोलिया, हरीश मर्तोलिया, श्रीमती बसन्ती देवी, श्रीमती दीपा मर्तोलिया, श्रीमती मंजू मर्तोलिया आदि हैं।

इनर लाइन की मांग को लेकर आन्दोलन

शिफ्ट किए जाने के लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठने की अपील

पि.हि. प्रतिनिधि

जौलजीबी। मुनस्यारी तथा धारचूला के त्रिस्तरीय पंचायत के प्रतिनिधियों का दोनों विकास खण्डो को इनर लाइन की परिधि में लाए जाने की मांग को लेकर आन्दोलन जारी है। उनका कहना है कि दोनों विकास खण्डो को बाहरी लोगों बचाने के लिए इनर लाइन की आवश्यकता है। इस दौर में इनर लाइन की आवश्यकता और प्रबल हो गई है। उत्तराखण्ड त्रिस्तरीय पंचायत संगठन के कार्यक्रम संयोजक तथा मुनस्यारी के जिपं सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा जनता की राय बिना समय-समय पर सरकारों ने इनर लाइन को की सीमा को जौलजीबी तथा नोलडा से खिसकाते हुए अब चीन सीमा तक पहुंचा दिया है। बताया कि मुनस्यारी में लाखुरी भेल तथा धारचूला में छियालेख से आगे का इलाका अब इनर लाइन की परिधि में है। जिसका कोई औचित्य नहीं नहीं है। आम जनता को इनर लाइन के संघर्ष में अपनी आहुति देनी होगी।

महापंचायत में तय कार्यक्रम के अनुसार तहसील मुनस्यारी, तेजम, बंगापानी तथा धरचूला से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तैयार किया गया, इसमें दोनों विकास खण्डों की चीन सीमाओं से इनर लाइन को वेस द्वार में शिफ्ट किए जाने की मांग की गई है। साथ ही तय किया है कि 12 मार्च को मुनस्यारी विकासखण्ड के नौलडा में इस मांग के समर्थन में धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसी प्रकार से धारचूला विकासखण्ड के जौलजीबी में 15 मार्च को इसी मांग को लेकर धरना प्रदर्शन होगा। महापंचायत में तय कार्यक्रम अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री, भारत के राष्ट्रपति सहित अन्य से भेंट की जाएगी। यह भी तय किया है कि 15 मार्च तक के आन्दोलन के बाद आगे की रणनीति घोषित की जाएगी। इस आन्दोलन को सफल बनाने के लिए समस्त जन संगठनों, व्यापार मंडलों, राजनीतिक संगठनों से सहयोग मांगा है। महापंचायत में मुनस्यारी की क्षेत्रप्रमुख भावना देवी, ग्राम प्रधान संगठन धारचूला अध्यक्ष गोपाल मेहता, ग्राम प्रधान संगठन मुनस्यारी के अध्यक्ष धार्मेन्द्र कुमय्या, जिपं सदस्य गंगोत्री दत्ताल, क्षेत्र पंचायत सदस्य रेखा देवी, मनोज कुमार, ग्राम प्रधान सरस्वती देवी, गीता परिहार, जमनसिंह दत्ताल, पुष्पा धर्मसक्तू संजीव सिंह, मुनस्यारी के क्षेत्र प्रमुख प्रतिनिधि देवराम, जौलजीबी के प्रधान प्रतिनिधि धीरेंद्र धार्मसत्तू आदि ने विचार व्यक्त किए। महापंचायत में दोनों विकास खण्डों के पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धारचूला व मुनस्यारी की इनरलाइन का परीक्षण होगा

देहरादून। संसदीय कार्यमंत्री प्रेम चन्द्र अग्रवाल ने कहा कि सरकार सीमान्त धारचूला व मुनस्यारी में इनरलाइन को पहले की भाँति करने के विषय का परीक्षण करेगी। इसके उपरान्त इसे केन्द्र को भेजने पर विचार किया जाएगा। विधायक हरीश धामी ने सदन में यह विषय उठाते हुए कहा कि धारचूला में इनरलाइन पीछे करने से स्थानीय निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

पुरस्कारों के अलावा बहुत कुछ है

ग्राम स्तर से लेकर देश के सर्वोच्च पुरस्कारों तक की जो झांकी दिखाई दे रही है उसमें बहुत तेजी आ चुकी है। लेकिन यह ध्यान रहना चाहिये कि पुरस्कारों के अलावा बहुत कुछ है। वह लोग जो कभी भी किसी तरह के पुरस्कार न पा सके हों लेकिन उनका चरित्र, ईमानदारी, सादगी उनका कद हमेशा ऊंचा रखता है।

उत्साहित करने के लिये, समाज में उदाहरण बनाने के लिये पुरस्कार दिये जाने चाहिये। समाज में विभिन्न प्रकार के कार्यों में संलग्न ईमानदार लोगों का इससे मनोबल बढ़ता है। इन्हीं सम्मानों की चर्चा से अन्य भी प्रेरित होते हैं। सम्मान के लायक कौन है और कौन सम्मान लायक है, यह बात भी सोचने की है। सम्मानों की वर्तमान बुनावट में देखा जा रहा है कि सोशल मीडिया पर प्रचण्ड तूफान मचाने वालों को स्टार मान लिया जाता है और मोटी फाइलों की सजावट देखकर इन्हें किसी प्रकार का पुरस्कार दिया जाता है। यही कारण है कि पुरस्कार घोषणा होते ही इस प्रकार के तूफान फिर से सोशल मीडिया में अपने झण्डे गाड़ते हैं और बताया जाता है कि इनके बिना सबकुछ अधूरा है। वह भूल जाते हैं कि सम्मान तो एक प्रोत्साहन मात्र है। यह दूसरों को भी प्रेरणा देने के लिये है।

देश के सर्वोच्च सम्मानों में इस बार चार महानुभावों को भारत रत्न की घोषणा की गई। चारों ही अपने विषय के महारथी होने के साथ राजनीति के कद से भी दर्जा रखते हैं। इसके बाद पद्म पुरस्कारों की श्रेणी में राग-अनुराग दिखाई दिया। विगत दिनों संगीत नाटक अकादमी के पुरस्कार भी घोषित किये गये। प्रदेश सरकार की ओर से भी कई प्रकार के पुरस्कारों को दिया गया है। अलग-अलग विषय से जुड़े लोगों को सम्मान मिलना नई ऊर्जा नया संचार है किन्तु सोशल मीडिया पर यह पढ़ने-सुनने को मिला कि फलां पुरस्कार प्राप्त से आगे कोई नहीं है। उत्तराखण्ड में यह एकमात्र है।.....यह सब समझ से परे की बाते हैं। किसी का भी यह मान लेना कि वह जो कुछ कर रहा है वह दुनिया का इकलौता है तो गलत ही होगा। इसलिये पुरस्कार मिलना अच्छी बात है लेकिन लोक की समूहता से आगे कोई नहीं हो सकता है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

किशोर सोशल मीडिया से दूर रहें, कानून पास

अमेरिका में फ्लोरिडा राज्य की विधानसभा ने सोशल मीडिया के सम्बन्ध में कड़ा कानून पास करते हुए 16 साल से कम आयु के किशारों को सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाने के लिये कानून पास कर दिया है। बताया इस प्रकार के एकाउंट बन्द कर दिये जाएंगे।

गजल गायक पंकज उदास की यादें

गजल और हिन्दी गीतों तक अपनी कर्णप्रिय आवाज के जादूगर 75 वर्षीय पंकज उदास ने लम्बी बीमारी के बाद मुम्बई के कैंडी अस्पताल में 26 फरवरी 2024 को अन्तिम सांस ली। चिट्ठी आई है जैसे गीत-गजल के गायक पंकज उदास अब यादों में रहेंगे।

आम लोगों के लिये खुला बीएपीएस मंदिर

अबू धाबी में पहला हिन्दू मन्दिर एक मार्च से खुल चुका है। बता दें फरवरी माह की शुरूआत में प्रधानमंत्री मोदी ने इस मन्दिर का उद्घाटन किया था। लगभग 700 करोड़ रुपये की लागतसे इसका निर्माण बोचासनवासी श्री अक्षर पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) द्वारा अबू मुरीखा में किया गया।

सिक्कों में खरीदी किताब लाखों में बिकी

लन्दन। करीब 30 साल पहले पुरानी किताबें बेचने वाली एक दुकान में महज कुछ रुपये में खरीदी गई हैरी पॉटर के पहले उपन्यास की शुरुआत प्रति (प्रूफ कापी) की निलामी में 11,000 पाउंड (करीब 11.5 लाख रुपये) में बिकी। ब्रिटिश नीमालकर्ता ने बताया दो अन्य पुस्तकों के साथ कुल 40 पैसे में (आज की दर से 41 रुपये) उसने खरीदी थी।

बिल गेट्स ने झुग्गी बस्ती जाकर बात की

भुवनेश्वर। माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने भुवनेश्वर की एक झुग्गी बस्ती का दौरा किया। बिल गेट्स ने स्थानीय लोगों से बातचीज की। इसी के साथ उन्होंने राज्य सरकारके अधिकारियों के साथ मां मंगला बस्ती के बीजू आदर्श कालोनी का भी दौरा किया।

आतंकी ग्रुपों की बढ़ती संख्या वैश्विक चुनौती

आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएएस) ने 2021 के बाद से अफगानिस्तान में छोड़े गए प्रतिबन्धित तहरीक-ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के भण्डार से हथियार प्राप्त किए हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा के लिए आईएस की ओर से उत्पन्न खतरे पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो ने इसे वैश्वक चुनौती माना है।

फसक

दाज्यू, दुनिया में उस्तादों के भी उस्ताद ठैरे

कटाई, धुलाई, छंटाई, पिटाई, खुखाई सब हो रही है बल

दाज्यू, अपने सीएम धामी देश के 61 प्रभावशाली लोंगों में 61 वें स्थान पर हो गये हैं बल। कोई राष्ट्रीय मीडिया हाउस ने देश के सौ ताकतवर भारतीयों की सूची जारी की थी। दाज्यू, हम तो पहले से ही प्रभावशाली बता रहे हैं। हमारी प्रदेश सरकार हजार करोड़ से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों का जाल बिछाने की बात कर रही है लेकिन नई आबकारी नीति के तहत बाजपुर आसवनी के गुलाब ब्राण्ड को समाप्त किये जाने की कवायद का पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह सहित अन्य लोगों ने विरोध किया है। गुरमीत का कहना है- 'विगत 48 वर्षों से तराई और पहाड़ में देसी शराब के क्षेत्र में बर्चस्व बचाए रखने वाला सहकारिता क्षेत्र की बाजपुर आसवानी का गुलाब ब्राण्ड को बन्द करना अत्यन्त हानिकारक होगा।' दाज्यू, कारोबार के अपने तरीके ठैरे, इसमें हम क्या कहें? गुलाब ब्राण्ड बहुत लोकप्रिय तो रहा ही है। अब क्या होगा पता नहीं। दुनिया में उस्तादों के भी उस्ताद ठैरे। कटाई, धुलाई, छंटाई, पिटाई, सुखाई सब हो रही है बल। रानीखेत के ऐना गांव से 120 पेटी कच्ची शराब भी पकड़ी गई। दाज्यू, पकड़-धकड़ हो तो कुछ न कुछ हत्थे लगने ही वाला ठैरा। कारोबारी अंकित को कोबरा से डसवाने वाली माही हल्द्वानी जेल में कैरम क्वीन बन गई। उसने अपने प्रतिद्वंद्वी को हराया। दाज्यू, शातिर और लपट-झपटों के लिये जेल तो ससुराल ही ठैरी।

धारचूला में भाजपा के दो नेताओं पर व्यापारी नेता के साथ मारपीट का आरोप है। बलुवाकोट में रजाई गद्दे का व्यापार करने वाले बिजनौर के अफजलगढ़ निवासी ने मारपीट का मामला दर्ज कराया। दाज्यू, जगह-जगह फोड़ाफोड़.....क्या होगा दुनिया का? गदरपुर के रतनपुरा वार्डर में रात्रि में पुलिस ने अवैध असलहों का जखीरा बरामद किया। पकड़े गये आरोपी ने बताया बल कि लोकसभा चुनाव में जब लाइसेंसी असलहे जमा हो जाएंगे तो वह अवैध असलहों को ऊंचे दामों में उधमसिंह नगर और अन्य जगह बेचने के लिये मुरैना (मध्य प्रदेश) से लाया है।

दाज्यू, हाईकोर्ट ने विधानसभा में अवैध भर्तियां करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिय हैं। दाज्यू, जब जिसकी चली उसने चेपाचेप की थी बल। अब कोर्ट ने तो अपना काम करना ही हुआ इसमें बुरा मानने वाली क्या बात? कुम्भ मेला के दौरान कोविड-19 के फर्जी रैपिड एंटीजन टेस्ट और आरटीपीसीआर टेस्ट करने वाले लैब संचालक के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हो चुका है।

चलो मार्च शुरू होने से पहले विपक्ष की हकाहाक के बीच विधानसभा में बजट पास हो गया। विपक्ष ने कहना ही हुआ जो कहे, सरकार तो सरकार ही ठैरी। -तुम्हारा भुली झकरुवा

मलिक का....

प्रथम पृष्ठ का शेष

चल सके। दंगे के मास्टर माइण्ड कहे जा रहे मलिक पर यूएपीए सहित कई गम्भीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने कोर्ट से रिमाण्ड पर लेने की बात कही जिस पर पहले चार दिन का समय मिल गया। इस बीच राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने बनभूलपुरा हिंसा में घायल हुई महिला, पुलिस कर्मचारियों का हालचाल जाना और कहा उपद्रवियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ताकि देवभूमि में फिर से उपद्रव नहीं हो। शहर कोतवाली स्थित पुलिस सभागार में अध्यक्ष कंडवाल ने बैठक की जिसमें एसएसपी पीएन मीणा, सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, एसडीएम पारितोष वर्मा, सीओ संगीता आदि मौजूद थे।

हव्वा बनाकर रहने वाले मलिक की हालत चर्चाओं में है। मलिक और उसके साथियों को को तीन महीने से पहले जमानत नहीं मिल सकती है। इसकी वजह धारा यूएपीए है। अगर आरोपियों को जमानत चाहिए तो अब तीन महीनों का इन्तजार करना होगा। इसके बाद भी यह न्यायालय पर निर्भर करता है कि वो आरोपियों को जमानत दें या नहीं। इन आरोपियों पर दर्जनभर से ज्यादा गम्भीर धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने अब्दुल मलिक के खिलाफ बनभूल पुरा थाने में आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307, 395, 323, 332, 341, 342, 353, 427 और 436 में मुकदमा दर्ज किया था। इसी के साथ मलिक पर उत्तराखण्ड लोक सम्पत्ति अधिकार अधिनियम, आपराधिक कानून में शेधन अधिनियम और गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) में मुकदमा दर्ज है। मास्टर माइण्ड मलिक के बाद 36 और उपद्रवियों पर यूएपीए लगाई गई है। इसमें सपा प्रदेश प्रभारी के भाई समेत कई पार्षद और प्रभावशाली लोगों का नाम है। इन सभी पर थाना और वाहनों को फूंकने का आरोप है। जिन लोगों पर यूएपीए लगी है वह इस प्रकार हैं- अरशद अय्यूब, महबूब हालम, जीशन परवेज, जावेद सिद्दकी, असलम चौधरी, जुनैद, निजाम, महबूब, शहजाद उर्फ कनफड़ा, अब्दुल माजिद, साजिद, मो. नईम, शकील अहमद, इसरार, सानू उर्फ राजा, नईस उर्फ बिट्टू, अब्बू तसलीम, भोला उर्फ सोहेल, सोहेब, सलीम, शकील अहमद, मौकिन अहमद, जिया उर्महमान, शकील सिद्दकी, दानिश मलिक, मो. शुएब, वसीम सिद्दकी, तसलीम कुरैशी, मो. अयान, मो.अनस, मो. समीर उर्फ यासीन, मो. समीर उर्फ चाँद, जावेद कुरैशी, अयाज अहमद, रईश अहमद, अब्दुल मलिक।

पुलिस ने अपनी जाँच-पड़ताल में नगर निगम से भी सवाल पूछने के साथ ही दस्तावेजों की मांग की है। फर्जीवाड़ा कर कम्पनी बाग की जमीन को मलिक का बगीचा बनाकर हड़पने के मामले में पुलिस जाँच कर रही है। नगर निगम को पत्र लिखकर दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा। कम्पनी बाग की 13 बीघा जमीन की को खुर्द-बुर्द कराने के मामले में नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त ने अब्दुला बिल्डिंग लाइन नम्बर 8 निवासी अब्दुल मलिक पुत्र स्व. अब्दुल रज्जाक, अख्तरी बेगम पत्नी नन्हे खां, नबी रजा खां पुत्र अशरफ खां, लाइन नम्बर 17 आजाद नगर निवासी गौस रजा खां पुत्र स्व. अशरफ खां और बरेली उत्तर प्रदेश निवासी अब्दुल लतीफ के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने जांच करते हुए नगर निगम को पत्र भेजकर 6 सवालों के जवाब पूछे। जिसमें पहला सवाल यही है कि कम्पनी बाग की जमीन किसकी थी और किस विभाग ने यह जमीन लीज पर दी थी। जाँच में जुटी पुलिस को मलिक परिवार का एक निर्माणाधीन रिसॉर्ट का भी पता चला है।

मलिक की चल-अचल सम्पत्ति की तलाश के साथ ही इस बीच तहसील प्रशासन ने जिला जेल में मलिक से वसूली का नोटिस तामील कराने की तैयार की। बताया जा रहा है कि अब्दुला बिल्डिंग से बैक डेट के पुलिस को कई स्टाम्प मिले हैं।

कुल मिलाकर अब्दुला परिवार के अब्दुल मलिक जिस लपेट में आ चुके हैं उसमें उसके पिछलग्गू दाएं-बाएं हो चुके हैं। उस्ताद मानकर मलिक के पीछे घूमने वाले अपने बचाव का रास्ता देख रहे हैं। यह सच्चाई भी है कि जब कोई फंसता है तो दूसरे रास्ता बदलने लगते हैं। मलिक की दावतों में चाट-चाट कर खाने वालों का पता नहीं है। अब्दुला परिवार की बंजारा बीरादरी के नाते शान रही है लेकिन मलिक के रौब ने उसे ही डस रखा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

धार्मिक रीति-रिवाज

मैसर कुंड तथा देवता का रहस्य

जगदीश सिंह बृजवाल

मुनस्यारी तहसील मुख्यालय से पूर्व 1 या 1.5 किमी मोटरमार्ग सरमोली बैंड से घने जंगल की ओर पैदल मार्ग से दूरी लगभग 1 किमी चढ़ाई के बाद खुले मैदान से आगे मैसर कुण्ड (तालाब) जिसकी लम्बाई लगभग 500 मी. तथा चौड़ाई 50 भी तक घने जंगल के बीच अवस्थित है। इस कुण्ड का नाम मैसर देवता के नाम मैसर कुण्ड से है मैसर देव को अन्य कई नामों से भी सम्बोधित करते हैं। जैसे - वन देवता, यक्ष देवता, महेश्वर देवता। इस देवता की पूजा-आराधाना मुनस्यारी के मूल जनजाति बरपटिया बारह उपजाति समाज के प्रमुख उपजाति बर्निया लोगों द्वारा की जाती है।

प्राचीन हिन्दुवीं धार्मिक ग्रन्थ रामायण, महाभारत में भी हिमालय क्षेत्रों में निवास करने वाले किन्नर, किरात, यक्ष, भिल्ल, नागवंशी जाति का उल्लेख किया गया है तथा सदी के कुछ वर्षों वाद शक जाति के लोग भी यहाँ आकर बस गए थे। जिन्हे आर्य जाति से भी पूर्व के निवासी होना बताया जाता है। सम्भवत: उन्ही में से एक जाति का बरपटिया जनजाति समाज के लोगों से सम्बन्ध जोड़ने में कोई भी गुरेज नहीं होना चाहिए।

बरपटिया बार पट्टी में रहने वाली जाति तेरहवां हरकोटिया जाति भी इन्हीं समाज से आते हैं। बरपटिया समाज जनजाति को जोहार के शौका जेठरा (जेष्ठ राठ) बड़ा भाई के समान. क्या ये भी शकवंश से सम्बन्ध रखते थे? आगे सविस्तार लिखा जायेगा। आज भी अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं को जीवन्त रखते अपनी पहचान को लुप्त होने से बचाये हुए है।

प्राचीन काल से बरपटिया समाज में प्रचलित दन्तकथा, जनश्रुति मैसर देवता द्वारा बर्निया जाति के अति रूपवती कन्या का हरण कर गांधर्व विवाह किया जाना। मेसर देवता के मानव रूप में अवतरित होने का संकेत बोध भी होता है। इस देव भूमि पर कयी देवताओं ने मानव रूप में आने के पश्चात वे देवतात्मा में परिवर्तित हो गये थे। जैसे- पुर्ब्याल देवता, गोलू, हरू, छुरमल सैम आदि।

पूर्व में सभी जातियां सामाजिक भिन्नताएं के कारण एक दूसरे से वैमनस्य का भी सम्बम्ध बनाये रखते थे। बर्निया अपने कौम के प्रमुख होने के कारण अपनी रूपवती कन्या का किसी दूसरे जाति से विवाह सम्बन्ध रहे स्वीकार्य न था। रूपवती कन्या व मैसर देवता के मानव जाति भिन्नताएं जो जो दोनों के प्रेम-प्रसंग में अवश्य बाधक बना रहा होगा। मेसर देवता का सम्बन्ध नागवंशी से रहा होगा। क्योंकि आज भी नागपंचमी पर्व के तिथि को मैसर देवता की पूजा -अराधाना करते हैं तथा उनका अपना प्रभाव भी कम न होगा। जिसने देवतात्मा के रूप में कन्या का हरण कर गांधर्व विवाह से अपनी प्रेमिका को प्राप्त कर ही लिया।

किसी भी समाज में प्रचलित रीति -रीवाज, धार्मिक मान्यताओं के विषय में प्रचलित कथा -कहानी को समझते हमें उनकी जड़ तक जाने की कोशिश करनी चाहिए। जो हमें वास्तविकता को समझने में मदद करेगा।

आज भी मैसर देवता की पूजा आराधना भादो माह में नागपंचमी पर्व को किया जाता है तथा मेसर देवता के मूल मन्दिर कुण्ड के करीब जाने से पहले सम्प्रति गाँव से कुछ दूरी उतर दिशा की ओर मेसर जी के प्वींजू (बुआ) के मन्दिर स्यमटी में भी पूजा-अराधना की जाती है। मेसर देव जी अपने मानव रूप में अपनी प्रेमिका को येन-केन प्राप्त करना चाहते थे जिसका विरोध सामाजिक जाति भिन्नता के कारण होता रहा हो। लेखक के लिए इसके आगे सन्दर्भ करना कठिन है- तत्पश्चात मैसर देवता ने देवतात्मा के रूप में बर्निया जाति के कन्या का हरण करण गांधर्व विवाह किया परन्तु यह विवाह बर्निया कौम को नागवार गुजरा जो अब भी आवेश की ज्वाला में धधक रहे थे।

सदियों से आजतक मैसर देवता का पूजा आराधना बर्निया जनजाति के लोग ही करते आ रहे हैं प्रचलित है कि मेसर देवता द्वारा जब बर्निया गाँव की कुछ युवा लड़कियां गाँव से पश्चिम दिशा की ओर लगभग 2 किमी की दूरी खड़ी चढ़ाई घने जंगलों के बीच अवस्थित कुण्ड के आस -पास, लकड़ी बीनने गये थीं उनके साथ अति रूपवती कन्या भी संग गई थी। जिसे पर मैसर देवता की दृष्टि पड़ गई तथा उसका हरण कर अपने निवास स्थिति कुण्ड में समाहित हो गये। जिसकी भनक उसके के अन्य सहेलियों को तनिक भी नहीं लगी।

कुछ देर तक सभी रूपवती कन्या को ढूंढते रहे तथा न मिलने पर सभी निराश अपने घर बर्निया गाँव वापस आ गये और कन्या के माता-पिता को सारी घटनाओं से रूबरू कराया जाता है। माता-पिता अपनी लाडली पुत्री के दु:ख में रोते-बिलखते रहे।

दु:खी माता-पिता का जब रात्री के चार पहर बाद आँखें लगी तब स्वप्न में मेसर देवता प्रकट होकर रूपवती कन्या का हरण कर विवाह करने की बात कही तथा उन्हें इस विषय से भी आश्वस्त कराया की बदले में धन-दौलत, जो भी उनकी चाहत है प्राप्त कर सकते हैं। यथास्थिति की जानकारी से क्रोधित माता -पिता अपने पुत्री को सकुशल वापस चाहते थे। मेसर देवता द्वारा समय-समय पर कोई भी पर्व, तीज-त्यौहार में भेंट करने हेतु माता-पिता से मिलने का भी अवसर देने की बात कही गई किन्तु बर्निया लोगों द्वारा एक नहीं सुनी गई।

नींद अचेतन अवस्था से बाहर आने के पश्चात भी रूपवती कन्या के माता -पिता को ये सब नागवार गुजरा। प्रात:काल होने पर अपने सभी भाई बिरादरी, गाँव के लोगों के साथ कन्या की माता-पिता कुण्ड स्थल पर पहुँच गए तथा खुली हवा आवाज लगाकर अपनी कन्या को सकुशल वापस लौटाने की बात कही गई, अन्यथा कुण्ड को सुखाकर भी

अपनी कन्या को प्राप्त करने की बातें बर्निया जाति की ओर से कहीं जानें लगी।

कुछ देर प्रश्न का इन्तजार के बाद कोई उत्तर न मिलने पर सभी ग्रामवासी कुण्ड को खोदने में आमदा हो गये।

जब कुछ कुण्ड का भाग टूटा पानी रिसकर बाहर आने लगा तब वन देवता (यक्ष) द्वारा उत्तर देते यक्ष प्रश्नोत्तर भी बर्निया जाति के लोगों से साथ किया गया। मेसर देवता द्वारा समझौता कर लेने की बात कही गई। बर्निया जाति के लोगों द्वारा इसे अपनी प्रतिष्ठा के विपरित समझौता समझ लिया। वे अपनी कन्या की प्राप्ति से ज्यादा कुछ नहीं चाहते थे।

मेसर देवता द्वारा कुण्ड को न खोदने की अपील की गई तथा कन्या को वापस करने की बात कही गई होगी। शायद मृत या जीवित विषय पर कुछ जिक्र न होने से अगले दिन रूपवती कन्या का मृत शरीर को उनके आस-पास छोड़ दिया गया था। बस, दुख व पश्चाताप के सिवाय कुछ हाथ न आया। तब से मैसर देवता को पूजने का चलन इष्टदेव के रूप में होता रहा है, जो आज तक बनी है। यह प्रचलित जनश्रुति हजारों वर्षों से बरपटिया समाज में बुजर्गों की परम्परा आज तक चली आ रही है।

सदियों बीत जाने के पश्चात भी बरपटिया समाज के प्रमुख उपजाति बर्निया जनजाति ने अपने मूल जाति होने के सम्बन्ध में सांस्कृतिक, धार्मिक रीति-रिवाज से सिद्ध कर दिया है कि वे ही इस मुनि के सेरा (मुनस्यारी) भूमि के सर्वप्रथम निवासी हैं।

बर्निया गाँव में भी एक मन्दिर प्रतिष्ठापित है। जहाँ रात्रि में धुनी (लकड़ी जलावन) जलाने के पश्चात नोर्त लगता है। गाजे-बाजे के साथ मैसर देव अवतरण, मैसर देवता के गण का भी जब अवतरण होता है तब गण के देववाणी का आज तक लोगों ने समझ रुपान्तरण नहीं कर पाये हैं जो समझ से अभी भी परे रहा है। तिब्बती भाषाई शब्द उच्चारित करने की बात कहते हैं वास्तव में जिसे आज तक ध्यान में रखकर रूपान्तरण कर लेना चाहें था। अवतरित होने वाला व्यक्ति तिब्बती भाषा को बिल्कुल न जानते हुए भी देववाणी में उन तिब्बती शब्दों को उच्चारित कर सबको अंचभित कर देता है। मैसर देवता के मुख्य प्राचीन मन्दिर कुण्ड के उत्तरी दिशा में स्थित है मन्दिर में जनजाति व हिन्दूवीं संस्कृति के मिश्रण से पूजा-पाठ किये जाने का विधान है। धामी (पुजारी) के द्वारा ही पूजा-पाठ चढ़ाव मुख्य मन्दिर में की जाती है। पूजा के दिन सभी बर्निया कौम के अतिरिक्त रिश्ते नातेदार भी सम्मिलित रहते हैं। गाजे-बाजे के साथ सभी ग्रामवासी मन्दिर तक पहुँचते हैं। जहाँ अजबलि तथा महिषबलि दी जाती है महिषबलि का प्रावधान जगंल के किसी पेड़ के जिस भाग से दो टहनियों निकलकर ऊपर बढघ हो,तब भैंसा का गर्दन दोनों टहनियों के बीच फंसा दिया जाता है तथा उल्टे कुल्हाड़ी से भैंसें के सिर पर चोट मारकर बलि दी जाती है। जो कुछ बौद्ध धर्म संस्कार का भी दर्शन कराती हैं। मन्दिर में धूप नवैध, फल-फूल चढ़ावा के अतिरिक्त मुख्य महाभोग प्रसादी कौनी का भात (मडुवा के समान छोटे गेहुंआ रंग अनाज के दाने) ही सभी जगह चढ़ावा में चढ़ाई जाती है। जो आज भी बरपटिया जनजाति समाज का प्राचीन प्रथा जीवन्त है।

प्रतिवर्ष मैसर कुण्ड के पास भव्य मेला का आयोजन वर्षाकाल में किया जाता है पूजा-पाठ विधि-विधान से सम्पन्न के पश्चात बरपटिया समाज के लोगों द्वारा लोकसंस्कृति से सम्बन्धित लोकगीत, नृत्य, दुसका-चांचरी, खेल -कूद का आयोजन किया जाता है। माटी संगठन द्वारा हिमालयी वन्य जीव-जन्तु, पशु-पक्षियों की जानकारी हेतु स्टाल लगाकर मेले का आकर्षण भी बढ़ा देते है जो एक सुन्दर रमणीक पर्यटन धार्मिक स्थल जहाँ धीरे -धीरे सैलानीयों को भी मेले मे सिरकत करते देखा गया है। हमें अपनी विशिष्ट संस्कृति की जीवन्तता को बचाये रखने तथा अपनी पहचान की जडों तक पहुँचने की आवश्यकता है.

राजू गाइड- मुनस्यारी के प्रसिद्ध राजू गाइड(राजेन्द्र सिंह मर्तोलिया) जो मुनस्यारी के भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक धार्मिक सांस्कृतिक जानकारियों का बारीकी से ज्ञान रखते हैं उनके द्वारा मैसर देवता के विषय में अतीत के रहस्य को जानने हेतु भरपूर सहयोग मिला, साथ ही बरपटिया जनजाति समाज से सम्बन्ध रखने वाले अध्यापक भगत सिंह पछाई जी ने भी उस विषय का जिक्र कराया जिससे भविष्य में बरपटिया जनजाति के मूल इतिहास विशिष्ट संस्कृति की पहचान तक आसानी से पहुँचा जा सकता है।

ज्योतिष की बातें - 169

14 मार्च 2024 को सूर्य मित्रराशि मीन में प्रवेश करेगा, वहाँ पर राहु से युति भी होगी अत: सूर्य से मिलने वाले शुभ फलों में बाधाएँ आएंगी। कुल मिलाकर सूर्य निर्बल रहेगा। फिर भी अगले एक माह सूर्य स्वास्थ्य, पराक्रम, सफलता आदि अपने कारक विषयों में मकर, तुला, मिथुन व वृषभ राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभ फल प्रदान करेगा। शेष राशि के जातकों को अभी धैर्य रखना चाहिए।

15 मार्च 2024 को मंगल अपनी उच्चराशि मकर से निकलकर समराशि कुम्भ में प्रवेश करेगा जहाँ पर शनि पहले से ही विद्यमान रहेगा। अत: मंगल में उग्रता अधिक रहेगी। फलदीपिका के अनुसार मंगल तीसरे, छठवें और ग्यारहवें स्थान पर शुभफल प्रदान करता है अत: अगले 40 दिन मंगल स्वाभिमान, खेलकूद, भूमि भवन वाहन आदि अपने कारक विषयों में धनु, कन्या व मेष राशि के जातकों को अल्पमात्रा में शुभफल प्रदान करेगा। शेष राशियों को अभी धैर्य रखना चाहिए।

खरमास- सूर्य के मीन राशि में प्रवेश करते ही 14 मार्च 2024 से खरमास प्रारम्भ हो जाएगा अत: अगले एक माह शुभ कार्य स्थगित रहेंगे।

होलाष्टक- फाल्गुन शुक्लपक्ष अष्टमी, रविवार 17 मार्च 2024 से होलाष्टक प्रारम्भ हो जाएगा अत: अगली 8 दिन कुछ शुभ कार्य स्थगित रहेंगे।

शुभं भवतु !! **-ओंकार नाथ कोष्टा**
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 60

अखण्ड भारत का अर्थ

देश में एक ऐसा वर्ग है जो भारत माता की जय तो बोलता है लेकिन खण्डित भारत के चित्र की पूजा करता है जबकि शास्त्रनुसार खण्डित मूर्ति की पूजा करना वर्जित है। कुछ लोग आजकल पाकिस्तान शब्द को गाली की तरह प्रयोग कर रहे हैं जबकि पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान आदि बहुत से देश अखण्ड भारत के ही अंग हैं। यदि हम पाकिस्तान से इतनी घृणा करेंगे तो क्या वह कभी अखण्ड भारत का अंग बन सकेगा? यदि भारत का कण कण पवित्र है तो पाकिस्तान अफगानिस्तान का भी कण कण हमारे लिये पवित्र है। संविधान में ही भारत को पुन: अखण्ड करने की शपथ ली गई थी जिसे नेता लोग भूल चुके हैं।

अखण्ड भारत क्या है, यह हमको समझना चाहिए। भारत में जो चार धाम हैं उनको रेखाओं से मिला दिया जाए, तो वह भारत है। भारत के अन्दर जो द्वादश ज्योतिर्लिंग हैं वे जिस भूभाग में पाए जाते हैं वह वास्तव में भारतवर्ष है। देश में जो 51 शक्तिपीठ हैं उन सभी को मिलाकर विश्व के नक्शे में जितना भूभाग मिलता है वही वास्तव में अखण्ड भारत है। उस सम्पूर्ण भूभाग को भारत माता का स्वरूप मानकर हमें उसी अखण्ड भारत की पूजा करनी चाहिये। भारत माता वास्तव में एक भूभाग ही नहह्ह है बल्कि इस भूभाग में नदियाँ, पहाड़, झरने, जंगल आदि के साथ-साथ यहाँ जन्म लेने वाले महापुरुष, यहाँ की संस्कृति, यहाँ के वेद पुराण आदि साहित्य, यहाँ की भाषा संस्कृत, यहाँ का ज्योतिष आयुर्वेद आदि का ज्ञान, ये सभी मिलकर भारत माता का स्वरूप बनता है। यही भारत माता हमारे लिए वन्दनीय है और हम इसी भारत माता के पुत्र हैं। **-सरल**

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बिना मानचित्र पास कराए भवन ध्वस्त

किच्छा। जिला विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त उपाध्यक्ष अभिषेक रुहेला के नेतृत्व में प्रशासन की टीम द्वारा किच्छा तहसील अन्तर्गत अनाधिकृत कालोनी का निरीक्षण करते हुए बिना मानचित्र पास कराए निर्मित भवनों को जेसीबी के द्वारा ध्वस्त कर दिया। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हरतोला गांव में पेयजल संकट

चम्पावत। सीमान्त के हरतोला गाँव में पेयजल संकट गहरा गया है। जल जीवन मिशन की योजना का लाभ नहीं मिलने से 275 से अधिक आबादी के लोग पानी को लेकर परेशान हैं। पानी न होने के कारण पिछले एक दशक से काफी लोगों ने पलायन भी किया है। यह भी कहा जा रहा है कि जल जीवन मिशन के तहत दो गाँव सोरे और हरतोला में पेयजल योजना विभाजित होने से पानी का संकट हो रहा है।

डीडीए के विरोध में धरना दिया

अल्मोड़ा। जिला विकास प्राधिकरण का विरोध कर रही सर्वदलीय समिति के सदस्यों ने चौघानपाटा स्थित गांधी पार्क में धरना दिया। सभा के दौरान वक्ताओं ने सरकार पर तानाशाही पूर्ण रवैया अपनाने और आम जनता के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। प्रदर्शन करने वालों में पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी, हेम चन्द्र जोशी, आनन्द सिंह बगड्वाल, महेश चन्द्र आर्या, ललितमोहन पन्त थे।

ऐड़ी देवता मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान

गरमपानी। अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाइवे पर गरमपानी खैरना क्षेत्र में स्थित ऐड़ी देवता मन्दिर में धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में लोग जुटे। अखण्ड रामायण का पाठ भी किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष दीवान सिंह सहयोग के लिये सभी का आभार व्यक्त किया।

दुकानदारों को थमाये नोटिस

हल्द्वानी। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन के तहत राज्य मार्गों में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही जीर है। इसी क्रम में लोनिवि ने राज्य मार्ग संख्या 41 के तिराहे पीलीकोठी-लालडांठ व बमोरी-लालडांठ दमुवाढूंगा मार्ग के चौड़ीकरण कार्य के चलते अतिक्रमण की जद में आ रहे 11 दुकानों के स्वामियों को नोटिस दिया है।

हिल डिपो के लिए ध्वस्तीकरण

हल्द्वानी। काठगोदाम डिपो का हिल डिपो के तौर पर निर्माण होना है इसलिये यहां पुराने भवनों का ध्वस्तीकरण किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी पेयजल निगम की ओर से हिल डिपो का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

कैलास यात्रा परम्परागत मार्ग से ही होनी चाहिये : महिमन सिंह ह्यांकी

धारचूला। चौंदास घाटी के वरिष्ठ समाज सेवी व रं संस्था के संरक्षक महिमन सिंह ह्यांकी ने शासन से मांग की है कि कैलास यात्रा संचालन में परम्परागत मार्ग का ध्यान रखना चाहिये। सदियों से जो व्यवस्था व व्यवहार रहा है उसे बनाए रखना चाहिये। श्री ह्यांकी ने कहा कि मानसखण्ड मन्दिर माला जैसे अभियान जरूर चलाये जा रहे हैं लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिये कि धार्मिक यात्रा के अपने नियम होते हैं और उन नियमों के बिना यात्रा अधूरी मानी जाती है। उन्होंने कहा कि अच्छी बात है हेली सेवा भी आवश्यक हो गई है लेकिन सीमान्त के जो यात्रा पथ रहे हैं उन्हें छोड़कर यदि इस प्रकार की यात्राएं इधर-उधर से होने लगीं तो इतिहास की बहुत सी जानकारी धीरे-धीरे विसरा दी जायेंगी। इसलिये जरूरी है कि कैलास यात्रा सहित जो भी धार्मिक यात्राएं संचालन हो रही हैं उनके पुराने मार्गों को सुदृढ़ किया जाए।

बताते चलें कि श्री ह्यांकी पहले भी इस मांग को उठाते रहे हैं ताकि स्थानीय लोग इससे जुड़े रहें।

उमुविवि के कारनामे लगातार उजागर

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कारनामे लगातार उजागर हो रहे हैं। नियुक्तियों में गड़बड़ी का मामला लगातार सामने आते रहे हैं लेकिन अब एक मामला हाईकोर्ट भी पहुंच गया है। विवि के पत्रकारिता विभग का है। नैनीताल हाईकोर्ट ने उमुविवि में जन सम्पर्क अधिकारी (पीआरओ) को प्रोफेसर बनाने के मामले में राज्य सरकार और विवि से जवाब मांगा है। विवि के शिक्षक संघ अध्यक्ष और पत्रकारिता के शिक्षक डा. भूपेन सिंह की याचिका पर कोर्ट ने ये आदेश जारी किये हैं। विवि में पिछले चार साल में नियुक्तियों पर भ्रष्टाचार को लेकर चर्चा रही है। 2021 में प्रोफेसरों की 25 पदों पर भर्तियां की गई थी। इसमें बड़े पैमाने पर अनियमितता के आरोप लगे थे। तब विवि के पीआरओ राकेश रयाल को पत्रकारिता विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर बना दिया गया था। नियुक्ति को अवैध बताते हुए डॉ.भूपेन सिंह ने राज्य पाल और राज्य सरकार से इसे रद्द करने की मांग की थी। दोनों जगहों से कोई कार्रवाई न होने पर उन्होंने उत्तराखण्ड हाईकोर्ट में याचिका दायर की। आरोप है बिना योग्यता के पद हथियाने की साजिश रची है।

रानीखेत में चुनाव बहिष्कार का ऐलान

रानीखेत। छावनी सिविल एरिया को नगर पाकिा में सम्मिलित करने के लिए गांधी चौक पर चल रहा धरना प्रदर्शन 350 दिन से भी अधिक हो चुका है। वक्ताओं ने कहा कि अगर लोकसभा चुनाव से पहले नगर पालिका में सम्मिलित नहीं किया गया तो आगामी चुनाव का बहिष्कार किया जाएगा। संघर्ष समिति ने नगर क्षेत्र में पोस्टर व पर्चे बांटकर लोगों को जागरूक भी किया। निर्णय लिया गया कि जल्द ही आम बैठक के माध्यम से आन्दोलन को और तेज किया जाए।

बताते चलें कि छावनी क्षेत्र के सिविल एरिया को नगर पालिका में सम्मिलित किए जाने के लिए लम्बे समय से चल रहा धरना प्रदर्शन अब लोकसभा चुनाव के करीब आने तक भी जारी है। इतने दिनों तक सुनवाई क्यों नहीं हुई इस बात को लेकर लोगों में नाराजी है। प्रदर्शन करने वालों में चन्द्र शेखर गुरुरानी, दीप भगत, हरीश अग्रवाल आदि शामिल हैं।

डीएम बागेश्वर को अवमानना नोटिस

बागेश्वर। आदेश का पालन न करने पर हाईकोर्ट नैनीताल ने जिलाधिकारी बागेश्वर व अतिक्रमणकारी को अवमानना नोटिस जारी करते हुए जवाब पेश करने को कहा है। पूर्व में कोर्ट के आदेश के बाद जिला विकास प्राधिकरण ने यहाँ हो रहे अवैध निर्माण को सील कर दिया था लेकिन वर्तमान में सील भवन में फिर से निर्माण कार्य प्रारम्भ हो गया। इस पर कोर्ट ने कहा कि आदेश का पालन नहीं करने पर अवमानना की कार्रवाई प्रारम्भ की जाए। अगली सुनवाई अप्रैल में होगी।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में व्यापार संघ अध्यक्ष कवि जोशी की जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में कहा गया है कि बागेश्वर में तहसील रोड स्थित लोक निर्माण विभाग के आवासीय कालोनी के अन्दर लोनिवि की भूमि पर अतिक्रमण कर बड़ा व्यावसा-सिक निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य पर रोक लगाने के लिए जिलाधिकारी को पत्राचार किया गया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। याचिकाकर्ता के अनुसार कोर्ट के आदेश के बाद निर्माण सील कर दिया गया लेकिन कार्य जारी रहा।

कालेज-परिसर का सवाल चुभ रहा है

पिथौरागढ़। सोबन सिंह जीना विश्व विद्यालय का कैम्पस बनाने की घोषणा तो हो गई लेकिन किसी प्रकार की उन्नति होने के बजाय उच्चशिक्षा का तमाशा बनने पर सवाल उठ रहे हैं। छात्रों ने भी इसके लिये प्रदर्शन किया है। पिथौरागढ़ मुख्यालय में कालेज है या परिसर इस बात को स्पष्ट करने के लिये छात्र नेताओं ने सीएम व राज्यपाल को ज्ञापन भी भेजा है। कहा कि परिसर तो बना दिया गया लेकिन सारे पद रिक्त हैं और चल रही प्रक्रिया को पलीता लगाया गया है। इसके मानकों के अनुरूप प्राध्यापक होने चाहिये। छात्र नेताओं ने कहा कि यदि उनकी मांगों को गम्भीरता से नहीं लिया गया तो वे उग्र आन्दोलन करेंगे। छात्र संघ अध्यक्ष कपिल चन्द और महासचिव मुकेश कुमार ने कहा कि कैम्पस में 82 पद रिक्त चल रहे हैं। यह छात्र-छात्राओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

रुद्रपुर में नोटिस, हटने लगे अतिक्रमण

रुद्रपुर। शहर के सिविल लाइन, डॉक्टर कालोनी, काशीपुर बाईपास रोड में अतिक्रमण की जद में आए तीन सौ दुकानदारों को नोटिस के बाद उन्होंने अपने तरीके से अतिक्रमण हटाने शुरू कर दिये हैं।

कारोबारियों ने रोष भी भी जताया है। नाराज व्यापारियों का एक शिष्टमण्डल विधायक शिव अरोरा से भी मिला और मदद की गुहार लगाई।

सिविल लाइन, डॉक्टर कालोनी, काशीपुर बाईपास रोड के व्यापारियों का कहना था कि उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार वर्ष 2019 में मुख्य बाजार क्षेत्र में चिन्हित अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया था। एक बार फिर याचिकाकर्ता कि रिट को संज्ञान में लेते हुए उच्च न्यायालय ने दोबार तीन सौ दुकानों को अतिक्रमण में चिन्हित किया है। इसके बाद विगत दिनों नगर निगम ने सभी दुकानदारों को नोटिस दिया। यह भी बताते चलें कि रुद्रपुर शहर में राजनैतिक दबाव डालते हुए भी अतिक्रमण हुए हैं और कहानी गढ़ी जाती रही हैं।

लोकसभा के पहले चरण के बाद निकाय चुनाव

देहरादून। प्रदेश के नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों का चुनाव लोकसभा चुनाव के पहले चरण के बाद होंगे। हाईकोर्ट के आदेश के तहत सरकार को 2 जून तक सभी निकायों में नया बोर्ड बनवाना है। इसलिये लोकसभा चुनाव के दौरान ही चुनाव कराना होगा।

बताते चलें कि निकाय चुनावों को लेकर पिछले तीन महीने से लगातार चर्चा थी कि यह कब होने जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच निकाय चुनाव की तैयारी कर रहे नेता अपनी तैयारी भी कर रहे हैं। अब जो तस्वीर बनती जा रही है कि उसे देख लगता है कि लोकसभा चुनाव के बीच ही निकाय चुनाव का गणित भी लगेगा और छोटे-बड़े नेताओं का गणित भी इसमें प्रभावित होगा। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव की तैयारियों में लगा प्रशासन विशेष अनुमति लेकर निकाय चुनाव की रणनीति बनाएगा।

परिक्रमा

एलडी भट्ट अस्पताल में स्टाफ का टोटा

काशीपुर। जिले के दूसरे सबसे बड़े अस्पताल एलडी भट्ट सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों समेत टेक्नीशियनों और स्टाफ की भारी कमी है। ऐसे में मरीजों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। एस दशक पूर्व इस अस्पताल में भरपूर स्टाफ था लेकिन स्थानान्तरण के बाद एकदम खाली सा हो चुका है।

दन्या गोशाला में आग से बचाया

दन्या। दन्या कस्बे के आटी गांव में देर रात एक गोशाला में लगी आग से मवेशियों को खतरा हो गया था। इस समय बाजार से गश्त कर लौट रही पुलिस टीम ने मवेशियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। थाने से आये उप निरीक्षक पुष्कर खाती, हेड कांस्टेबल गोपाल गिरी ने मौके पर फैलती आग देख हिम्मत कर आग में फंसी गाय व 5 बकरियों को सुरक्षित बाहर निकाल किया। उस समय आस-पास घर-पड़ोस सोया हुआ था।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

11वां आनन्द बल्लभ स्मृति समारोह की झलकियां

आनन्दश्री सम्मान २०२४ से सम्मानित होने वाले श्रीमान लक्ष्मण सिंह डॉगी और अन्य महानुभाव

सम्मान प्राप्त करते हुए निदेशक उच्चशिक्षा उत्तराखण्ड डॉ. सी.डी.सूंठा

मुख्य अतिथि मंगल सिंह कुटियाल को सम्मानित करते हुए संरक्षक फली सिंह दताल, प्रो. सुंठा और डॉ.उप्रेती

गीत प्रस्तुति- 'धन्य हो जसुली अमा'

प्रोफेसर पूर्णिमा भटनागर के कहानी संग्रहों का विमोचन

श्रीराम सिंह धर्मशक्तू का सम्बोधन

श्रीमती अमृता पाण्डे के उपन्यास का विमोचन

श्रीमान राम सिंह सोनाल का सम्मान

प्रोफेसर दीपा गोबाड़ी के कहानी संग्रह का विमोचन

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

बाहरी व्यापारियों को नगर छोड़ने की चेतावनी

धारचूला में तनाव, राजनीति के रंग भी दिखाई दे रहे

धारचूला/मुनस्यारी। सीमान्त क्षेत्र धारचूला पिछले दिनों नाबालिक छात्राओं को बरेली के मुस्लिम युवक द्वारा भगाकर ले जाने की घटना के बाद से तनाव में है। हालातों के बाद से राजनीति के रंग भी दिखाई दे रहे हैं। प्रदर्शन के बीच धारचूला नगर में विधायक हरीश धामी का पुतला जला दिया गया। इसके बाद मुनस्यारी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं की कार्यवाही पर रोष प्रकट करते हुए एसडीएम कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। इससें कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनोहर टोलिया, ब्लाक अध्यक्ष ईश्वर कोरंगा, विधायक प्रतिनिधि हीरा चिराल, सुन्दर जोहारी, दान सिंह बंगारी, योगेश सिंह भाकुनी, प्रकाश कुमार आदि थे।

धारचूला में लगातार बाहरी व्यापारियों को नगर छोड़ने की चेतावनी दी जा रही है। प्रशासन द्वारा सभी का सत्यापन करवाने को भी कहा गया। पुलिस-प्रशासन अपने काम में लगा हुआ है परन्तु सड़क पर उमड़ आई भीड़ ने शक्ति प्रदर्शन करते हुए कहा कि बाहरी लोगों का हस्तक्षेप कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

सैकड़ों की संख्या में सड़क पर प्रदर्शन को उतरे लोगों ने कहा कि वर्ष 2009 के बाद से लगातार आ रहे बाहरियों के कारण अशान्ति बढ़ती जा रही है। विरोध प्रदर्शन में पूरा बाजार बन्द रहा है। व्यापार मण्डल ने पहले ही नये सिरे से व्यापारियों की सदस्यता की बात कही थी। नारेबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों ने कहा कि चिन्हित बाहरी व्यक्तियों को 15 दिन के भीतर चला जाना चाहिये। इसके अलावा बलुवाकोट में मुस्लिम व्यापारी की तहरीर पर भाजपा नेताओं

विधायक का पुतला जलाने पर कांग्रेसियों का धरना प्रदर्शन

के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होने से नाराज कार्यकर्ताओं ने स्थानीय विधायक हरीश धामी का पुतला फूंक डाला। साथ ही बाहरी व्यक्तियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया।

धारचूला में तय कार्यक्रम के अनुसार व्यापार मण्डल महासचिव महेश गर्ब्याल और कोषाध्यक्ष खड़क सिंह दानू के नेतृत्व में क्षेत्र के विभिन्न समुदाय, संगठनों के साथ स्थानीय लोगों ने तहसील मुख्यालय धारचूला पहुंच कर प्रदर्शन किया। पूरे शहर में जुलूस के अलावा गांधी चौक पर जनसभा हुई। इसमें महेश गर्ब्याल ने कहा कि बाहर से आए लोग सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नगर में अराजकता फैला रहे हैं। व्यापार मण्डल ने 510 व्यापारियों को सदस्यता दिलाई है और 197 बाहरी व्यापारियों को चिन्हित किया है। ब्लाक प्रमुख धन सिंह धामी ने कहा कि यह आन्दोलन किसी जाति, धर्म या व्यक्ति के विरुद्ध नहीं है। क्षेत्र की सांस्कृतिक और व्यापारिक तौर पर तेजी से बदलाव हो रहा है जो सीमान्त क्षेत्र के लोगों के भविष्य को लेकर चिन्ता पैदा कर रहा है। महेन्द्र बुदियाल ने कहा कि स्थानीय लोगों का व्यापार चौपट हो चुका है। बाहर से आए व्यापारी पगड़ी प्रथा को बढ़ावा दे रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों में रूप सिंह, जयेन्द्र फिरमाल, धीरेन्द्र फिरमाल, नन्दन सिंह धामी, दय सिंह, नाइस ह्यांकी, विक्रम थलाल, भूपाल बहादुर, अशोक नबियाल, कृष्णा गर्ब्याल, दीपक सिंह आदि थे।

मूल निवासी और.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

भट्ट, देवेंद्र नौडियाल आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। अल्मोड़ा जिले के स्याल्दे में भू-कानून और मूल निवास लागू करने की मांग को लेकर लोगों ने रैली निकाली। यह रैली स्याल्दे से देघाट तक गई। पहाड़ी आर्मी के संस्थापक हरीश रावत ने रैली के दौरान कहा कि मूल निवास आन्दोलन अब राज्य आन्दोलन के राह पर आगे बढ़ रहा है।

देहरादून, बागेश्वर, हल्द्वानी, नई टिहरी, अल्मोड़ा जिले के स्याल्दे और कोटद्वार में सफल रैलियों के बाद अब श्रीनगर गढ़वाल में रैली ने चेताया है।

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by-
(माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

घर से बाहर
घर का सा
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
7351285555

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पूर्ण कालिक
संगीत प्रशिक्षण
केन्द्र
हिमालय संगीत
शोध समिति
जे.के.पुरम्, सेक्टर डी
छोटी मुखानी
हल्द्वानी
सम्पर्क- 9411563413

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)